

बच्चे तो
बड़े हो जाएंगे
पर घर नहीं

इसलिए आज बुक करवाइए

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट छोटी छोटी प्राइस में

कोठी: सिर्फ ₹4700/

Sq Ft

फ्लैट: सिर्फ ₹4000/

Sq Ft

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000



पजेशन पर ₹10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

KEDIA
सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर



विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बढकारियाँ ही हमारी उपीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं और इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे।मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है,बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा,स्वास्थ्य,शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है,और यही निर्मल मन व्यक्ति के समटा कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया,जो हमारे भीतर सद्भाव और समझाना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहनेसे मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार है,और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इन प्रकार,मेरी कहानीआपकोयह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पानेहेतु शिक्षा, स्वास्थ्य,शांति,और पर्यावरण कोसाथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समटा समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं,बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध,स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है,तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना,शांति की दिशा में काम करना,और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं।मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नित की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिल जुलकर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में,जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में,व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत तनाव की संभावनाएँ घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत: , शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है। गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक,

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया

ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्च कोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं,बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप मेंहमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण–आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है,स्वास्थ्य सेवाएँ कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं,पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है,और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्तनिष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे,जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समटा विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं।इससे न केवल हमारे देश की समटा उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को जिस स्तर पर प्रतिस्पर्धा और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अटासर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेंगे, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेंगे, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके।अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय (इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त ,वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर) (यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

मतदाता सूचियों के संबंध में चुनाव आयोग से जनता कुछ ओर स्पष्टता की उम्मीद तो करती ही है



महावीर सिंह

बिहार में बहुचर्चित मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से जुड़े विवादों के बीच विधान सभा चुनाव संपन्न हुए।चुनाव आयोग पर राजनेताओं ने कई आरोप लगाए हैं और कुछ राजनीतिक दलों में ऐसे नेताओं को जम कर आड़े हाथों लेते हुए आयोग के बचाव का भी भरसक प्रयास किया है किंतु चुनाव

आयोग ने विस्तार से, बहुत संतोषप्रद प्रतिक्रियाएं नहीं दीं। कुछ ऐसा प्रतीत हुआ कि चुनाव आयोग विस्तृत तथ्य वो कानून आधारित प्रतिक्रिया के बजाए लूली लूंगड़ी बचाव मुद्रा में दिखाई देता रहा। वैसे बिहार मतदान के समय भी कुछ जगह कैमरे पर लोगों में कहा है कि उनके पूरे मोहल्ले के या बहुत से मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों में नहीं मिले। अभी बिहार विधान सभा के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में सम्पन्न हुए चुनावों में दिल्ली निवासी कुछ ख्यातनाम व्यक्तियों के बारे में वीडियो वायरल हुए हैं कि उन्होंने कुछ समय पूर्व चुनावों में दिल्ली विधान सभा के चुनावों में भी मतदान किया था और अब बिहार में भी किया है? इससे तो चुनाव आयोग द्वारा अभी हाल ही में बिहार में जो मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण हुआ उस पर भी प्रश्न चिन्ह लगता है?

05 नवंबर 2025 को लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर हरियाणा की मतदाता सूचियों में कुछ ऐसी त्रुटियों की ओर ध्यान खींचा है जिन पर चुनाव आयोग को और चुनाव आयोग से जुड़े कुछ मुद्दों पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी ही चाहिए। चुनाव आयोग मात्र एक सरकारी निकाय न होकर एक संवैधानिक संस्था है। संविधान बनाने

के समय देश में चुनावों का दायित्व किस प्रकार की संस्था को सौंपा जाए इस पर विस्तार से चर्चा हुई थी। इसके पश्चात एक उच्चस्तरीय स्वतंत्र संवैधानिक संस्था बनाई गई जिस पर देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव अलग अलग महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।चुनाव निष्पक्ष हो,पारदर्शी तरीके से हों और सबसे बड़ी बात कि जनता तथा चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दलों को विश्वास हो कि ऐसा ही हो रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए अत्यावश्यक है कि चुनावों के प्रति जन विश्वास कायम रहे।जहां जहां इस जन विश्वास में कमी आती है वहां सरकारों पर धांधली से चुनाव जीतने के आरोप लगते हैं और सरकारें अस्थिर होती रहती है।

सबसे पहले तो सरकार को बताना चाहिए कि जब सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह आशा की थी कि त्रिसदस्यीय चुनाव आयोग में सरकार भी हो, प्रतिपक्ष भी हो तथा एक तीसरा इन दोनों से भिन्न उच्च नैतिक मानदंडों वाला विख्यात व्यक्ति हो तो इसमें तीसरा व्यक्ति सरकार में अपनी सरकार के मंत्री को ही क्यों रख लिया? इस संरचना से तो यह संस्था पूर्णतः सरकारी नियंत्रण वाली संस्था ही कहलाएगी। सरकार से जनता इस जानकारी की भी अपेक्षा करती है कि कौन सी ऐसी परिस्थितियों उत्पन्न हुई कि चुनाव आयुक्तों को ऐसा कवच देना पड़ा कि उनके विरुद्ध, उनके चुनाव आयुक्त की हनैस्यत से किए किसी भी कार्य के लिए कभी भी कोई अपराधिक कार्यवाही होगी ही नहीं। क्यों???

यह नियम बनाने की भी क्या आवश्यकता थी कि पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी पर आए मतदाताओं के फोटोज अन्य विवरण का चित्रण

मतदान के 45 दिन बाद नष्ट कर दिया जाए??? फर्जी मतदाताओं की तो इससे पहचान हो ही जाती।खैर सही उतर तो चुनाव आयोग या सरकार ही दे सकते हैं?? यह भी माना की जिस सरकार के पास संसद में बहुमत है वह कोई भी कानून बना सकती है किंतु यह भी सत्य है कि हर कानून से जनहित की ही पूर्ति होती है सही नहीं है? चुनाव आयोग किसी संस्था के लिए तो कानून ऐसा होना चाहिए जो पक्ष विपक्ष दोनों को स्वीकार हो और जनता को भी उनके गंभीर दुरुपयोग का कोई संदेह न हो।

सप्त शक्ति कमान का थार मरुस्थल में युद्ध तत्परता का सशक्त प्रदर्शन सम्पन्न

युद्ध अभ्यास का उद्देश्य अपनी युद्ध तत्परता और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन करना था

बीकानेर, (निंस्)। सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन ने थार मरुस्थल स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक व्यापक युद्ध अभ्यास को संपन्न किया, जिसका उद्देश्य अपनी युद्ध तत्परता और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन करना था।

सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने युद्ध अभ्यास की कार्यवाही की समीक्षा की, जिसका उद्देश्य सामरिक प्रक्रियाओं को निखारना, इण्टर आर्म्स समन्वय को बढ़ाना और चुनौतीपूर्ण वातावरण और भू-भाग की स्थितियों के तहत सभी संस्थाओं और टुकड़ियों के एकीकरण का परीक्षण करना था। अभ्यास में सैनिकों की सहनशक्ति, अनुशासन और उच्च-तीव्रता वाले वास्तविक युद्ध क्षेत्र के माहौल में प्रदर्शन की क्षमता का परीक्षण किया गया और यह अभ्यास ये सुनिश्चित करने पर केन्द्रित था कि इफ़्टी, मैकेनाइज्ड फोर्सेज, इण्टर डिफेन्स, आर्टिलरी फायर सपोर्ट, ईजीनियर्स और लॉजिस्टिक्स सहित संयुक्त सैन्य अभियानों को सटीकता और सुस्ती के साथ संचालित

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने थार मरुस्थल में युद्ध तत्परता के सशक्त प्रदर्शन का अवलोकन किया।

किया जा सके। साथ ही कमान और नियंत्रण प्रक्रियाओं, इंटेलिजेंस समन्वय तथा युद्धक तैयारी बढ़ाने के लिए (ड्रोन्स) के प्रभावी उपयोग का भी अभ्यास किया गया। इस अभ्यास में भाग

लेने वाले सैनिकों ने संचालन योजनाओं, लॉजिस्टिक क्षमता और संचार नेटवर्क को सफलतापूर्वक परखा, जिससे डिवीजन की उच्च स्तरीय तैयारी और बदलते खतरों का सामना करने की

मेघ

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बने लंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना को क्रियान्वयन होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आमगन बना रहेगा।

कन्या

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनाानुसार बनेने लंगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनेने लंगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बने लंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनेने लंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्ययवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज समय-व्यनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

राशिफल रविवार 16 नवम्बर, 2025

सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने युद्ध अभ्यास की कार्यवाही की समीक्षा की

के संदर्भ में हर स्तर की कमान का परीक्षण किया। फार्मेशन ने जटिल संचालन चुनौतियों का सामना करने के लिए तेज, समन्वित और सुव्यवस्थित गतियों को निष्पादित करने में उत्कृष्ट पेशेवरिता और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। आर्मी कमांडर ने भाग लेने वाले सैनिकों को उनके पेशेवर व्यवहार, इनोवेशन और मिशन केंद्रित दृष्टिकोण के लिए सराहा। उन्होंने कहा कि सैनिकों का प्रदर्शन भारतीय सेना की प्रतिबद्धता, साहस और उत्कृष्टता की भावना को दर्शाता है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों। साथ ही उन्होंने भैरव बटालियन के साथ भी संवाद किया और उनके उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और ऑपरेशनल रेडीनेस की सराहना की।

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने थार मरुस्थल में युद्ध तत्परता के सशक्त प्रदर्शन का अवलोकन किया।

किया जा सके। साथ ही कमान और नियंत्रण प्रक्रियाओं, इंटेलिजेंस समन्वय तथा युद्धक तैयारी बढ़ाने के लिए (ड्रोन्स) के प्रभावी उपयोग का भी अभ्यास किया गया। इस अभ्यास में भाग

लेने वाले सैनिकों ने संचालन योजनाओं, लॉजिस्टिक क्षमता और संचार नेटवर्क को सफलतापूर्वक परखा, जिससे डिवीजन की उच्च स्तरीय तैयारी और बदलते खतरों का सामना करने की

मेघ

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बने लंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना को क्रियान्वयन होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आमगन बना रहेगा।

कन्या

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनाानुसार बनेने लंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनेने लंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बने लंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनेने लंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्ययवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज समय-व्यनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

अंदर ही अंदर विस्फोटक स्थिति पहुँच गई है कांग्रेस में

बेचैनी का कारण राहुल गांधी व उनके काम करने का स्टाइल है, जिसमें वो अभी भी कोई जिम्मेवारी ओढ़ने को तैयार नहीं

—रेणु मित्तल—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 नवंबर। बिहार में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद पार्टी के भीतर बेचैनी और असंतोष तेजी से बढ़ रहा है। इस नाराजगी का केन्द्र राहुल गांधी हैं, जो पार्टी के सारे अहम फैसलों पर नियंत्रण रखते हैं और ऐसे निर्णय ले रहे हैं, जो “तर्कहीन” व समझ से परे लगते हैं।

राहुल गांधी को अब भी एक “पार्ट-टाइम नेता” के रूप में देखा जाता है, जो न तो पार्टी के छोटे-बड़े मुद्दों में रुचि लेते हैं, न ही राजमर्रा के संगठनात्मक कामकाज में। वे अहम फैसलों में भाग नहीं लेते और उन्होंने पार्टी को ऐसी टीम के हवाले कर दिया है जिसमें के.सी. वेणुगोपाल जैसे लोग शामिल हैं, जो पार्टी को ऐसे चलाते हैं, मानो उन्हें कांग्रेस का “मालिकाना हक” सौंप दिया गया हो।

बिहार को एक उदाहरण के रूप में लेते हुए, जहाँ पार्टी को भाजपा के हाथों भारी हार का सामना करना पड़ा, वहाँ राहुल ने अल्लुवेरा को बिहार जैसे महत्वपूर्ण चुनावी राज्य का प्रभारी बना दिया, जिन्होंने कभी कोई चुनाव नहीं

- जिस तरह से राहुल गांधी कोई रुचि नहीं दिखा रहे पार्टी के कामकाज के बारे में, उनकी छवि एक पार्ट टाइम राजनीतिज्ञ की बन गई है।
- बिहार में उन्होंने एक नौसिखिया व्यक्ति अल्लुवेरा को प्रभारी बना के भेजा, जिसने कभी भी पार्टी में कोई महत्वपूर्ण पद नहीं पाया था।
- अल्लुवेरा और तेजस्वी के संबंध इतने खराब हो गए कि तेजस्वी ने उनसे मिलने को मना कर दिया, सीटों के बंटवारे पर बातचीत तो बहुत दूर की बात है।
- राहुल गांधी ने बिहार में वोट चोरी को अति महत्व देते हुए यात्रा निकाली, जिसमें तेजस्वी उनके साथ रहे, माहौल कुछ ठीक होने लगा था कि राहुल गांधी बीस दिन के लिए साउथ अफ्रीका चले गए, कोलंबियन कॉफी को ब्रू करने की बारीकियाँ समझने के लिए और बिहार की राजनीतिक उथल-पुथल को एकदम अनदेखा कर दिया।

लड़ा, न किसी छोटे राज्य तक का प्रबंधन संभाला, न उन्हें कोई राजनैतिक अनुभव था। पार्टी में भी उन्होंने कोई खास पद नहीं संभाला था। राहुल ने उन्हें अपने आदमी के रूप में वहाँ भेजा था, जो निहित स्वार्थी वाले, और लालू यादव के करीबी लोगों को उखाड़ फेंकेगा और अपनी पकड़ बनाएगा। कांग्रेस बिहार में दिशाहीन थी, उसका कोई जनाधार नहीं बचा था और

राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बैसाखियों का सहारा ले रही थी। अल्लुवेरा और तेजस्वी यादव के बीच रिश्ते इतने खराब थे कि तेजस्वी उनसे मिलने तक को तैयार नहीं हुए, गठबंधन पर बातचीत तो दूर की बात थी। राहुल गांधी ने तेजस्वी के साथ बिहार में एक यात्रा निकाली, लेकिन उसके तुरंत बाद वे 20 से अधिक दिनों के लिए दक्षिण अमेरिका चले गए। यात्रा से जो भी थोड़ी-बहुत गति बनी थी, वह वहीं खत्म हो गई, जब राहुल बिहार की स्थिति से पूरी तरह बेखबर “नई कोलंबियन कॉफी” के बारे में सोच रहे थे। बिहार में जो कुछ हो रहा था, उसे उन्होंने पूरी तरह नजर अंदाज कर दिया था।

उन्होंने लालू यादव से मिलने से इनकार कर दिया, सीट बंटवारे में भाग नहीं लिया, टिकटों को लेकर कोई रुचि नहीं दिखाई। उनका चुनाव प्रचार भी बहुत ही सीमित और औपचारिक था। चुनाव खत्म होने से पहले ही, वे फिर विदेश चले गए और मतगणना के दिन भी मौजूद नहीं थे। वे आज सुबह दिल्ली लौटे, वेणुगोपाल और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने बैंक को 58.63 लाख रुपए लौटाने के आदेश दिए

जयपुर, 15 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, साइबर ठगी होने के तीन दिन के भीतर शिकायत करने पर बैंक संबंधित राशि उपभोक्ता को देने के लिए बाध्य है। इसके साथ ही, अदालत ने आईडीबीआई बैंक की अपील को

- हाई कोर्ट की खंडपीठ ने, आईडीबीआई को उपभोक्ता की सायबर ठगी में गई पूरी राशि ब्याज सहित लौटाने को कहा।

खारिज कर एकलपीठ के उस आदेश को सही माना है, जिसमें एकलपीठ ने बैंक को ठगी की गई पूरी 58.93 लाख रुपए की राशि छह फीसदी ब्याज सहित उपभोक्ता को लौटाने को कहा था। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘विवाहित वयस्क संतान का पिता की निजी संपत्ति में हक नहीं’

जयपुर, 15 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने संपत्ति विवाद से जुड़े एक मामले में कहा है कि विवाहित या वयस्क संतान का उसके पिता की स्वअर्जित संपत्ति में कोई हक नहीं है। पिता की निजी संपत्ति में बेटा उनकी मंजूरी से ही रह सकता है और पिता के कहने पर उसे संपत्ति को खाली करना होगा। अदालत ने कहा कि बेटे को संपत्ति पर कब्जा पिता ने स्नेहवश दिया था, यह किसी कानूनी अधिकार के तौर पर नहीं दिया गया। वहीं अदालत ने निचली कोर्ट व अपीलौय कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए, पिता के खिलाफ मुकदमा कर उन्हें

- हाई कोर्ट ने पिता के खिलाफ मुकदमा करके परेशान करने वाले बेटे पर एक लाख रुपए हर्जाना लगाया।

पेशान करने वाले बेटे पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने अपील को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस सुरेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश रितेश खत्री की अपील पर दिए।

अदालत ने कहा कि अपीलार्थी पर लगाई गई हर्जाना राशि एक पिता के इस मुकदमे को लड़ने में झेली गई पीड़ा व उत्पीड़न की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं है। लेकिन यह भविष्य के लिए एक उदाहरण साबित होगा, ताकि इस तरह के मुकदमों को दुर्भावनापूर्ण तरीके से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किसी भी सिंगल पार्टी से राजद का वोट शेयर ज्यादा था बिहार में

फिर भी राजद को इतनी करारी हार क्यों मिली

—श्रीनंद झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 नवम्बर। लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को हाल ही में खत्म हुए चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन उनके राजनैतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले तेजस्वी यादव के लिए एक छोटी सी सकारात्मक बात भी है: 243 सदस्यीय विधानसभा में सिर्फ 25 सीटों पर जीत के बावजूद, इस चुनाव में सबसे अधिक वोट शेयर प्राप्त करने वाली पार्टी राजद ही रही है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राजद का वोट शेयर 23 प्रतिशत रहा (2020 के 23.11 प्रतिशत से थोड़ा कम), भाजपा का वोट शेयर 20.08 प्रतिशत रहा (2020 के 19.46 प्रतिशत से ज्यादा), जबकि जदयू को 19.25 प्रतिशत वोट मिले (2020 के 15.39 प्रतिशत से अधिक)।

इसके बावजूद, एनडीए की आँधी में राजद उड़ गया। वजह साफ है: एक गठबंधन के रूप में, एनडीए का कुल वोट शेयर 47 प्रतिशत रहा, जबकि महागठबंधन और उसके साथियों को मिलकर 35.89 प्रतिशत वोट मिले। साधारण शब्दों में कहें, तो राजद अपने सहयोगियों से निराश हुआ लेकिन इसे

- उनके समर्थकों का मत है कि राजद को महागठबंधन के अन्य घटकों का कोई योगदान नहीं मिला, जबकि एनडीए में जदयू व भाजपा ने एक दूसरे की बहुत मदद की।
- राजद का वोट शेयर 23 प्रतिशत था और महागठबंधन का कुल वोट शेयर 35.89 प्रतिशत।
- दूसरी ओर जदयू का वोट शेयर 19.2 प्रतिशत था व भाजपा का 20.08 प्रतिशत, पर, एनडीए का कुल वोट शेयर 47 प्रतिशत बना।
- राजद ने हर सीट पर कड़ा संघर्ष तो किया, पर, उनकी टांगों में इतना दम नहीं था कि वे फिनिशिंग लाईन को अपने दम पर पार कर लेते।
- पर, दूसरा मत यह भी है कि राजद 143 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि, भाजपा और जदयू दोनों 101-101 सीटों पर लड़े।
- अतः यह भी निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि राजद ने अपनी ताकत का बहुत ज्यादा मूल्यांकन कर लिया, इससे यह हुआ कि राजद का वोट शेयर तो बढ़ा, पर, सीटें नहीं बढ़ीं।

दूसरे तरीके से भी देखा जा सकता है: प्रमुख पार्टियों में राजद ने सबसे ज्यादा सीटों—143—पर चुनाव लड़ा, जबकि भाजपा और जदयू ने 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा, यानी राजद से 42 सीटें कम। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री आर.के. सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधि के आरोप में निलंबित किया

आर.के. सिंह एक पूर्व आईएस हैं तथा दो बार आरा से सांसद निर्वाचित रह चुके हैं

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 नवम्बर। विधानसभा चुनाव परिणाम आने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी ने आज पूर्व केन्द्रीय मंत्री राज कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। पार्टी ने कहा कि यह कदम उनकी बार-बार की “विरोधी पार्टी” गतिविधियों के कारण उठाया गया है।

इसी तरह की कार्रवाई पार्टी के बागी नेताओं, एमएलसी अशोक अग्रवाल और कटिहार की मेयर उषा अग्रवाल के खिलाफ भी की गई है। इन दोनों ने अपने बेटे सौरव कुमार अग्रवाल के लिए प्रचार किया था, जो विकासशील इंसान पार्टी के टिकट पर

- पिछले कई महीनों से आर.के. सिंह पार्टी के राज्य स्तरीय नेतृत्व की जमकर आलोचना कर रहे थे, विशेषकर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।
- आर.के. सिंह भाजपा सरकार के पावर खरीद के सौदों में 62 हजार करोड़ रुपए के भारी स्कैम का आरोप लगाते रहे हैं और इस बारे में कई दस्तावेज ऑनलाइन पेश करने का दावा भी किया है व केन्द्रीय सरकार में पावर व रिन्यूएबल एनर्जी विभाग के मंत्री रह चुके हैं तथा 2024 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा की बिहार इकाई के खिलाफ जमकर आरोप लगाते रहे हैं।

कटिहार विधानसभा सीट से भाजपा के मौजूदा विधायक और पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकेशोर प्रसाद के खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे।

राज्य भाजपा मुख्यालय से जारी निलंबन पत्र में कहा गया कि सिंह के हालिया बयानों से संगठन को नुकसान (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू की पुत्री रोहिणी आचार्य ने लालू परिवार से नाता तोड़ा और राजनीति छोड़ने का भी निर्णय लिया

रोहिणी आचार्य ने लालू यादव को अपनी एक किडनी दी थी ट्रान्सप्लांट के लिए, पर, आज वो इतनी खिन्न क्यों हैं कि परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा कर चुकी हैं

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली भारी हार के एक दिन बाद, पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने बड़ा धमाका करते हुए कहा है कि वे राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से भी दूरी बना रही हैं। “एक्स” पर एक रहस्यमयी पोस्ट में, आचार्य ने संकेत दिया कि राजद के वरिष्ठ नेता संजय यादव, जो तेजस्वी के करीब हैं, ने उनसे ऐसा करने को कहा।

- रोहिणी आचार्य यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि ऐसा अहम निर्णय क्यों लिया, हालांकि बार-बार वो कहती रहीं कि वो अपनी गलती स्वीकार करती हैं। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं हुआ कि उनकी क्या गलती है।
- रोहिणी आचार्य अपने भाई तेज प्रताप यादव के पार्टी से निष्कासन से खुश नहीं थीं, पर, वे कई बार तेजस्वी से भी मधुर संबंध रखने की इच्छा व्यक्त करती रहीं और तेजस्वी के जन्मदिन पर तेजस्वी को “दिल का साफ व जुबान का पक्का” होने की बधाई दी तथा आशा व्यक्त की कि उनके कर्तव्यनिष्ठ भाई की सारी इच्छाएँ पूरी हों और सब स्वप्न फलीभूत हों।

2022 में लालू यादव को अपनी किडनी दान करने वाली रोहिणी आचार्य ने यह भी संकेत दिया कि वे किसी गलती की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले रही हैं, हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि वे बिहार चुनाव में हार की बात कर रही थी या किसी और मुद्दे की। उन्होंने लिखा: “मैं राजनीति छोड़ रही हूँ और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूँ... संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही कहा था और मैं सारी गलती अपने ऊपर ले रही हूँ।” (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश की एकमात्र लिस्टेड कम्पनी जिसका 100% प्रॉफिट देशवासियों की सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान एवं राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है।

सर्दियों में ठण्ड से अपने आप को बचाएं, इम्यूनिटी बढ़ाएं, रोगों से लड़ने की शक्ति व आन्तरिक ऊर्जा पाएं।

पतंजलि का श्रेष्ठतम च्यवनप्राश, हनी व गाय का शुद्ध देशी घी खाएं।

ऑनलाइन खरीदें— www.patanjaliayurved.net | कस्टमर केयर— 18001804108
OrderMe ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन पतंजलि उत्पाद ऑर्डर करें।

बीस हजार रुपये की रिश्त लते ब्रहाना थाने की हैड कांस्टेबल गिरफ्तार

परिवादी ने एसीबी के 1064 टोल फ्री नंबर पर रिश्त मांगने की शिकायत की थी

बुहाना, (निसं)। झुंझुनूँ एसीबी की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बुहाना थाना में तैनात एक महिला हैड कांस्टेबल को 20 हजार रुपए की रिश्त लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी टीम ने यह कार्रवाई गोपनीय सत्यापन के बाद ट्रेप की रूपरेखा तैयार कर अंजाम दी।

एसीबी झुंझुनूँ के डीएसपी शम्भूर खान ने बताया कि परिवादी ने एसीबी के 1064 टोल फ्री नंबर पर 04 नवंबर को बुहाना थाने में तैनात हैड कांस्टेबल संतोष कुमारी के खिलाफ रिश्त मांगने की शिकायत की थी। इसके बाद परिवादी ने एसीबी झुंझुनूँ में भी लिखित शिकायत दी, जिसके बाद एसीबी ने 10 नवंबर को सत्यापन करवाया। सत्यापन के दौरान हैड कांस्टेबल द्वारा परिवादी के खिलाफ 22 अक्टूबर को पारिवारिक झगड़े में दर्ज मारपीट के मामले में मदद करने



आरोपी हैड कांस्टेबल संतोष कुमारी।

के तथा परिवादी, उसके भाई और परिवादी के भाई को गिरफ्तार ना करने की एवज में 30 हजार रुपए मांगे जाना

■ पारिवारिक झगड़े में दर्ज मारपीट के मामले में मदद करने तथा परिवादी, उसके भाई और परिवादी के भाई को गिरफ्तार ना करने की एवज में 30 हजार रुपए मांगे थे

एसीबी लगातार ट्रेप का प्लान तैयार कर रही थी। इसी दौरान 14 नवंबर को परिवादी को हैड कांस्टेबल ने बयानों के लिए बुलाया। इस दौरान भी हैड कांस्टेबल ने डर दिखाकर सात हजार रुपए ले लिए। पूर्व में तय सौदे के अनुसार शेष 20 हजार रुपए देने के लिए आज परिवादी को थाने बुलाया। परिवादी ने ज्यों ही 20 हजार रुपए दिए, हैड कांस्टेबल ने 20 हजार रुपए रिश्त के रूप में लेकर अपनी जेब में रख लिए, जिसके बाद एसीबी टीम ने मौके पर ही उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी की जेब से 20 हजार रुपए की राशि बरामद कर ली गई है।

रोडवेज बस ने दंपती को टक्कर मारी, महिला की मौत

घायल पति को जोधपुर के अस्पताल में भर्ती कराया

■ जोधपुर- बाड़मेर हाइवे के पास धवा सिणली फांटा के पास सड़क किनारे खड़े थे दम्पती

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर-बाड़मेर हाइवे धवा सिणली फांटा के पास में शनिवार दोपहर में रोडवेज बस ने सड़क के किनारे खड़े दंपती को अपनी चपेट में लेकर कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसका पति बुरी तरह घायल हो गया, जिसे जोधपुर अस्पताल भेजा गया है। इधर इस घटना को लेकर दोपहर में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और डिवाइडर अथवा जम्बर लगाने की मांग रखी। ग्रामीणों ने सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया

और नेशनल ऑथोरिटी के अधिकारियों को भी बुलाने की मांग रखी। देर शाम तक मौके पर पुलिस अधिकारी और ग्रामीणों में बातचीत चल रही थी। जानकारी के मुताबिक झंवर के

गेहलावास निवासी गुमानाराम और उसकी पत्नी यहाँ जोधपुर- बाड़मेर हाइवे के पास धवा सिणली फांटा के पास सड़क किनारे खड़े थे। तब बाड़मेर की लिफ से आ रही एक रोडवेज बस ने उन्हें चपेट में ले लिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई और गुमानाराम बुरी तरह घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया। इधर घटना के बाद जोधपुर-बाड़मेर हाइवे पर लोगों ने रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

18 दिन के मासूम की मौत, नरबलि की आशंका

मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए

■ बच्चा अपनी मौसी के घर में था, मौसियों पर हत्या की आशंका जाहिर कर पिता ने थाने में रिपोर्ट दी

■ पुलिस ने पूछताछ के लिए बच्चे के मौसी पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लिया है, जांच जारी

निवासी पूनाराम सांसी के पहले से एक बेटा है। हाल में 18 दिन पहले उसके एक और बेटा हुआ था। दूसरा बेटा अपनी मौसी के पास मां के साथ था। आज सुबह उसे सूचना मिली कि बच्चे की मौत हो गई। उसे अस्पताल लाया गया है। अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली थी। इस पर रात्रिकालीन अधिकारी अस्पताल पहुंचे और फिर संबंधित थाने में सूचना दी। थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा ने बताया कि बच्चे की संदिग्ध मौत को लेकर पूनाराम की तर्फ से अपनी सालियों के खिलाफ हत्या में रिपोर्ट दी गई है। मौके पर एफएसएल

टीम को बुलाया गया और साक्ष्य जुटाए गए हैं। डीसीपी पूर्व शाहिन सी., एसीपी पूर्व प्रतीक सिंह और खुद थानाधिकारी ताड़ा भी वहां पहुंचे।

मासूम की मौत को लेकर आशंका है कि उसकी हत्या गला दबाकर की गई है। आसपास पड़ोस से पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि परिवार के लोग आपस में झगड़ते रहते थे। नरबलि की आशंका में हत्या तो नहीं की गई, ताकि घर में कलह ना हो। फिलहाल पुलिस हर पहलु पर जांच में जुटी है। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चल पाएगी।

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाड़ा स्थित नेहरू कॉलोनी में शनिवार सुबह 18 दिन के मासूम की संदिग्ध हालात में मौत को लेकर सनसनी फैल गई। बच्चे की मौत पर नरबलि की आशंका भी जताई जा रही है। बच्चा अपने मौसी के घर में था। पिता ने बच्चे की मौसियों पर हत्या की आशंका जाहिर करते हुए एयरपोर्ट थाने में रिपोर्ट दी है। दोपहर में मेडिकल बोर्ड गठित कर शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है। बच्चे की संदिग्ध मौत की खबर पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं, मगर पुलिस ने मौका ए हालात का ब्यौरा देने से इंकार कर दिया। पूछताछ के लिए बच्चे के मौसी पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

एयरपोर्ट थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा ने बताया कि नेहरू कॉलोनी

सामाजिक कार्यक्रम से लौट रहे दोस्तों की कार पलटी, तीन की मौत

आधा दर्जन से ज्यादा युवक घायल, दो गंभीर घायलों को जोधपुर भेजा

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती बिलाड़ा के खारिया मीठापुर गांव के पास में रात दो बजे एसयूवी पलटी खा गई। हादसे में चालक सहित तीन की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से ज्यादा युवक घायल हो गए। दो बुरी तरह घायलों को जोधपुर भेजा गया है। सूचना पर देर रात पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को बिलाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

बिलाड़ा थाने के एसएसआई भगवान

सहाय ने बताया कि बिलाड़ा के सरगों का बास के रहने वाले आठ-दस युवक रात दो बजे किसी सामाजिक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर जैतारण से अटिंगा कार से लौट रहे थे।

रात दो बजे के आस पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे में आकाश पुत्र भैराम सरगारा, रवि पुत्र हेमराज और अभिषेक पुत्र नरपत चौहान की मौत हो गई। कार को चालक रवि चला रहा था, जोकि

इस हादसे में मारा गया। कार में सवार आधा दर्जन अन्य युवक घायल हो गए। इनमें दो घायलों सूरज पुत्र ललित और पिंटू पुत्र पूनाराम को देर रात में ही जोधपुर रैफर कर दिया गया। एएसआई भगवान सहाय के अनुसार हादसे का कारण पता लगाया जा रहा है। शवों को कार्रवाई के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। यह संभवतः किसी शादी समारोह से लौट रहे थे।

पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल के आवास में चोरी

■ डेढ़ लाख नगद व दस लाख से ज्यादा के जेवर चुराये

टोंक, (निसं)। पुरानी टोंक थाना क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल के आवास में अज्ञात बदमाशों ने ताला तोड़कर डेढ़ लाख रुपए नगद व दस लाख से ज्यादा के जेवर चुरा कर ले गए। चोरी के वारदात के समय कॉन्स्टेबल प्रहलाद बैक्वा रात्रि ड्यूटी पर था, वहीं उसके परिवर्जन पैतृक गांव मालपुरा गए हुए थे।

जानकारी मिलने के बाद पुरानी टोंक थानाधिकारी नेमीचंद गोयल मौके पर पहुंचे और पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। बताया जा रहा है कि कॉन्स्टेबल प्रहलाद पुरानी टोंक थाने में ही तैनात हैं, पुलिस लाइन में 400 पुलिस कर्मचारियों के परिवार रहते हैं। यहां पुलिस कर्मचारी के अलावा अन्य की

■ डेढ़ लाख नगद व दस लाख से ज्यादा के जेवर चुराये

एंड्री पूरी तरह से बंद है, मुख्य गेट पर एक पुलिसकर्मी बिना परमिशन के किसी को प्रवेश नहीं देता। कॉन्स्टेबल प्रहलाद ने बताया कि वह शुक्रवार रात को रात्रि ड्यूटी के दौरान गश्त पर था, जिसका आवास तीसरी मंजिल पर है तथा इस दौरान उसके परिवारजन गांव गए थे, जिसका फायदा उठाकर चोर बावर्टर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और कमरे के अंदर रखी अलमारी से करीब डेढ़ लाख रुपए नकद समेत 10 लाख के आभूषण पर कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण में अनुसंधान प्रारम्भ किया।

अजमेर : दो थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की वारदात

अजमेर, (निसं)। शहर में बढ़ती चोरी की वारदात पुलिस की रात्रि गश्त पर सवालिया निशान लगा रही है। बीती रात दोनों ने दो थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदात अंजाम दी। रामगंज थाना क्षेत्र के गौतम नगर में घर के बाहर खड़ी सफाई कर्मी की बाइक अज्ञात चोर चुरा ले गया। बाइक चोरी की यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

■ घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, सर्विस सेंटर की दुकान को भी निशाना बनाया

■ पुलिस ने मौका मुआयना कर चोरों की तलाश शुरू की

गौतम नगर निवासी प्रदीप कुमार ने पुलिस में दो शिकायतों में बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात चोर चुरा ले गया है। वहीं गंज थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने एक सर्विस सेंटर की दुकान को निशाना बनाते हुए 40 हजार नगदी सहित ऑटो पार्ट्स सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर छत के रास्ते से दुकान में घुसे थे। चोरी का पता शनिवार सुबह तब चला जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचा था। दुकान के ताले टूटे पड़े थे। पीड़ित अशोक बंजारा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी वरुण सागर रोड पर अशोक सर्विस सेंटर के नाम से दुकान है, शनिवार को जब वह सुबह दुकान खोलने पहुंचा तो शटर के

घर के मंदिर में जलते दीपक से आग लगी, लाखों का नुकसान

■ अलमारी में रखे सोना-चांदी के जेवर पिघले, सामान भी जला

अजमेर, (निसं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र के कोटड़ा स्थित खादू श्याम विहार कॉलोनी में शनिवार सुबह मंदिर में जल रहे दिए से शनिवार सुबह परले लू सामान भी जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही मौके पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस मामले

की जांच में जुटी है। अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भागचंद ने बताया कि शनिवार सुबह कंट्रोल रूम पर सूचना मिली थी कि कोटड़ा स्थित खादू श्याम विहार कॉलोनी में रहने वाले कैलाश रावत के घर में आग लगी है। सूचना मिलते ही

विभाग से करीब एक गाड़ी मौके पर भेजी गई। मौके पर घर के कमरे में आग लगी हुई थी, जिस फायर फाइटर ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। अग्निशमन कर्मचारी ने बताया कि आग की तपिश इतनी तेज थी कि पीड़ित मकान मालिक कैलाश रावत के कमरे में रखी अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरत भी पिघल गए। मकान मालिक रावत ने बताया कि आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। आग मंदिर में जल रहे दिए के कारण आग लगी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वहित के साथ समाज और राष्ट्रहित का ध्यान रखें संगठन : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पिछले लगभग बारह वर्ष में हमने प्रत्येक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। आर्थिक परिप्रेक्ष्य में भी बड़ा बदलाव आया है। वर्ष 2014 तक हम दुनिया की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था थे। अब बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरते हुए हम चौथे स्थान से पहुंच चुके हैं। इसमें हमारे श्रमिकों और मजदूरों का बड़ा योगदान है। राज्यपाल बागड़े शनिवार को बीकानेर के गंगाशहर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में भारतीय परिवहन मजदूर संघ के 26वें त्रैवार्षिक अखिल भारतीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि दत्तोपंत टेंगडी ने देशभर के मजदूरों को एक किया और 23 जुलाई 1955 को भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की। उन्होंने विचार था कि मजदूर अपने आचार, विचार और सभ्यता से पूरी दुनिया को एक कर सकते हैं। उनका कहना था कि देश के सर्वांगीण विकास का सपना साकार करना है, तो स्वदेशी के प्रोत्साहन का कोई विकल्प नहीं है।



भारतीय परिवहन मजदूर संघ के त्रैवार्षिक अखिल भारतीय अधिवेशन के उद्घाटन समारोह को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने संबोधित किया।

जाता है। प्रत्येक संगठन को स्वहित के साथ समाज और देश के हित का विचार रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझें। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं के दांत खट्टे कर दिए। उन्होंने कहा कि यह भौगोलिक विविधताओं वाला प्रदेश है। यहां के 9 जिले जनजातीय बाहुल्य वाले हैं। ये गौधर्मों का प्रदेश है। यहां की सभ्यता और परंपराएं अच्छी हैं। उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों

में अपना योगदान दें। बागड़े ने राजस्थान को वीरों और संतों की भूमि बताया। उन्होंने कहा कि यहां के भुजिया और रसगुल्ला दुनिया भर में विशेष पहचान रखते हैं। इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने दीप प्रज्वलित कर अधिवेशन का शुभारम्भ किया। स्वागताध्यक्ष मकखन लाल कंडा ने स्वागत उद्बोधन दिया। भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय महामंत्री रविंद्र हिमते ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना,

को बीकानेर के भुजिया और रसगुल्ला के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यहां के भुजिया और रसगुल्ला दुनिया भर में विशेष पहचान रखते हैं। इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने दीप प्रज्वलित कर अधिवेशन का शुभारम्भ किया। स्वागताध्यक्ष मकखन लाल कंडा ने स्वागत उद्बोधन दिया। भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय महामंत्री रविंद्र हिमते ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना,

■ राज्यपाल ने भारतीय परिवहन मजदूर संघ के 26वें त्रैवार्षिक अखिल भारतीय अधिवेशन का उद्घाटन किया

■ देश के सर्वांगीण विकास का सपना साकार करना है, तो स्वदेशी के प्रोत्साहन का कोई विकल्प नहीं है : राज्यपाल

इतिहास और वर्तमान स्थिति से अवगत करवाया। भारतीय मजदूर परिवहन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमाकांत सदाच ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। इस दौरान भारतीय परिवहन मजदूर संघ के प्रभारी वीआर बाच्छानी और भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री हरिमोहन शर्मा बतौर अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर, सुमन छाजेड़ सहित देशभर से आए प्रतिभागी मौजूद रहे।



घायल को अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पिता ने ही अपने बेटे पर तलवार से हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, जगदीश कालबेलिया पुत्र नाथू राम, निवासी 25 दौलतगढ़ (वर्तमान निवासी बानियों का बंदा गांव) पर उसके पिता ने किसी अज्ञात कारण से तलवार से हमला कर

दिया। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान पिता ने अचानक गुस्से में आकर बेटे के चेहरे पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद परिवारजन और आसपास के लोगों ने घायल जगदीश को तत्काल आसींद चिकित्सालय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने

उसे भीलवाड़ा एमजी अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज किया और जांच प्रारंभ कर दी है। अभी तक हमले के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है और प्रशासन से न्यायिक कार्रवाई की मांग की है।

Office of The District Education Officer (HQ) Secondary Jalore (Raj.) No. deo/hq/sec/jalore/Accounts/25-26/228 NOTICE INVITING TENDER NO.-1 Bidding for procurement of supply of complete Ladies & Gents Bicycles procurement is inviting form interest bidders up to 01.12.2025 time 11.30 AM. Other particulars of the bid may be visiting on the procurement portal https://eproc.rajjasthan.gov.in & https://sppp.rajjasthan.gov.in of the site. Date: 10.11.2025			
S. No.	Item/Description of work	Estimated cost (In Rupees)	UBN
01.	Supply of Complete Ladies & Gents Bicycles 20" (Colour-Orange)	1,04,53,914/-	EDU2526 GLOB00078
(Bhanwar Lal Parmar) Dist. Education Officer, (HQ) Secondary, Jalore			
DIPR/C/16660/2025			
हनुमानगढ़ केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, हनुमानगढ़ (राज.) Head Office, Hanumanagar Jn. (Raj.) क्रमांक : 2025-26/सीबीएस /6269 ई-निविदा सूचना संख्या - 02/2025-26 दिनांक- 15.11.2025			
हनुमानगढ़ केन्द्रीय सहकारी बैंक क्षेत्रांतर्गत 232 ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं 51 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों में Request for Proposal (RFP) for supply, installation, commissioning and maintenance of Micro ATMs for PACS and DUSS of Hanumanagar Kendriya Sahakari Bank Ltd., के कार्य के लिये ई प्रोक्विमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा धर्म एवं ई-निविदा से संबंधित विवरण व शर्त वेबसाइट : www.eproc.rajjasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर एवं कार्यालय समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर देखे जा सकते हैं।			
NIB CODE:- HKB2526A0002, UBN No :- HKB2526GLRC00002 - प्रबन्ध निदेशक			

जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए : शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में मीडिया से बात की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि झुठे नैरेटिव गढ़कर, वोट चोरी जैसे अर्थहीन, आधारहीन आक्षेप लगाकर और संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर अनेक तरह के भ्रमजाल फैलाने का प्रयास करके वोट प्राप्त करने की कोशिश को अब जनता स्वीकार नहीं करेगी। बिहार चुनाव ने इस एक बात को बहुत अच्छी तरीके से इस देश के सामने स्पष्ट कर दिया है। शनिवार को अपने गृह जनपद पहुंचे शेखावत ने मीडिया से बातचीत में बिहार चुनाव के नतीजों पर कहा कि भाजपा और एनडीए गठबंधन के सभी घटक दलों देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल और केवल विकास-आधारित ही रहेगा।

- बिहार की जनता ने प्रचंड बहुमत एनडीए को देकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल और केवल विकास-आधारित ही रहेगा।**
- ‘अंता उपचुनाव में भाजपा की हार के जो कुछ भी कारण रहे, निश्चित रूप से यह आत्मवलोकन का विषय है, हम सब मिलकर इस पर विचार करेंगे और इस पर आगे हम किस तरह से भाजपा की सरकार की नीतियों का प्रभाव जनता के हृदय तक पहुंचाएं, इस पर निश्चित रूप से कार्य करेंगे’**

देकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इस देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल और केवल विकास-आधारित ही रहेगा।

शेखावत ने कहा कि सामान्यतः देश में अनेक ऐसे उदाहरण देखने को मिल सकते हैं, जब देश की जनता ने परिवर्तन के लिए घर से बाहर

निकलकर औसत से अधिक मतदान किया हो, लेकिन इस बार पहली बार देश की जनता ने नकारात्मक राजनीति करने वाले और झूठ की राजनीति करने वाले लोगों को जवाब देने के लिए, औसत से कहीं अधिक मतदान करके प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन की सरकार बनाकर का स्पष्ट संदेश दिया है कि अब देश में झूठ की

राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। विपक्ष को लेकर शेखावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और आरजेडी के नेताओं ने जिस तरह से हल्के स्तर पर चुनाव को ले जाने का प्रयास किया था, जिस तरह की हल्की टिप्पणियां की गई थी। प्रधानमंत्री की माताजी से लेकर छठ मैया तक किसी को भी उन्होंने नहीं बख्शा था। बिहार की जनता ने जवाब दिया है। कांग्रेस का नाम लिए बगैर शेखावत ने कहा कि जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए। यह स्पष्ट हो गया है कि अब देश में केवल और केवल विकास की राजनीति व विकास के एजेंडा को ही देश की जनता स्वीकार करने वाली है।

अंता उपचुनाव में भाजपा की हार के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपचुनाव कई विषयों से जुड़े होते हैं और उपचुनाव को किसी आम चुनाव के बराबर करके नहीं देखा जा सकता।

अंता विधानसभा को आज से लेकर जब से चुनाव प्रारंभ है, तब से लेकर आज तक देखा जाए तो वैसे भी केवल दो बार को छोड़कर अधिकांश समय यह विधानसभा भाजपा के खाते में नहीं आ पाई। जो कुछ भी कारण रहे, जो कुछ भी विषय रहे, निश्चित रूप से यह आत्मवलोकन का विषय है। हम सब मिलकर इस पर विचार करेंगे और इस पर आगे हम किस तरह से भाजपा की सरकार की नीतियों का प्रभाव जनता के हृदय तक पहुंचाएं, इस पर निश्चित रूप से कार्य करेंगे।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आज दिल्ली से सुबह जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर छात्र जीवन के साथी एवं शेरगढ़ के विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने गले मिलकर बाबू सिंह राठौड़ को जन्मदिन की बधाई शुभकामना दी। उन्होंने शेखावत का बालाजी भगवान का प्रसाद खिलाकर मुंह मीठा कराया।

ट्रक और कार की भिड़ंत में दो जने गंभीर घायल



मांडल रेलवे ओवरब्रिज के खतरनाक घुमाव पर हुये हादसे में कार आगे से क्षतिग्रस्त हो गई।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल रेलवे ओवरब्रिज के खतरनाक घुमाव पर शनिवार तड़के करीब तीन बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें ट्रक और कार में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीरत रही कि टक्कर के बाद भी कार पुलिया के ऊपर से नीचे नहीं गिरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार शंकर (35) पुत्र कानाराम माली तथा संकज पुत्र झालाराम, निवासी सोजत सिटी, पाली से सांवरिया सेठ दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार ओवरब्रिज के खतरनाक मोड़ पर पहुंची, सामने से आ

- कार सवार लोग पाली से सांवरिया सेठ दर्शन के लिए जा रहे थे**

रहे ट्रक से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मांडल पुलिस तथा 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। 108 के पायलट प्रभु प्रजापत एवं मेल नर्स गिरिराज पायक ने घायलों को प्राथमिक उपचार देकर तुरंत महात्मा गांधी जिला

चिकित्सालय, भीलवाड़ा पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। गौरतलब है कि मांडल ओवरब्रिज पर निर्माण समय से ही दो मोड़ के बीच खतरनाक और अप्राकृतिक घुमाव छोड़ा गया है। इसी तकनीकी खामी के कारण इस स्थान पर अब तक सैकड़ों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि लगभग एक दर्जन लोगों की जान भी जा चुकी है। स्थानीय लोग कई बार इस मोड़ के पुनर्निर्माण व सुधार की मांग कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया, तो यह मोड़ और बड़ी दुर्घटनाओं को दावत देता रहेगा।

कल्याणी अवाड्स-2025 का आयोजन

भीलवाड़ा, (निसं)। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उद्यमता एवं आवत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गठित कल्याणी फाउंडेशन द्वारा निजी रिसॉर्ट में आयोजित कल्याणी अवाड्स 2025 के तहत अपने क्षेत्र में सफल 11 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिविशिष्ट अतिथि मिसेज इंडिया इंटरनेशनल सिद्धी जौहरी को भी मुख्य अतिथि विधायक अशोक कोठारी, भाजपा जिलाध्यक्ष

प्रशांत मेवाड़ा, विशिष्ट अतिथि एकता ओरतवाल, टीना सोनी, फाउंडेशन अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने प्राउड वुमन ऑफ इंडिया अवार्ड से नवाजा।

अवॉर्ड समारोह में मिसेज इंडिया इंटरनेशनल सिद्धी जौहरी ने कहा कि शहर में विभिन्न क्षेत्रों की सफल महिलाओं का चयन कर एक माला में पिरोकर कल्याणी फाउंडेशन ने मिसाल कायम की है। उन्होंने महिलाओं को प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि वे अपने

काम के साथ परिवार, मेडिटेशन और स्वास्थ्य को लेकर भी जागरूक रहें। इन सभी का सामंजस्य ही सफलता की सीढ़ी बनेगी। विधायक अशोक कोठारी ने कहा कि महिलाएं अलग अलग क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। उनको एक प्लेटफार्म पर लाकर सम्मानित करना सभी के लिए प्रेरणा बनेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने सम्मानित होने वाली महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को

ऐतिहासिक बताया। इससे पूर्व कल्याणी फाउंडेशन की अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अपने नाम के अनुरूप फाउंडेशन महिलाओं को पहचान दिलाने से लेकर सम्मान दिलाने तक की मुहिम के साथ काम कर रहा है। रेणु नैर द्वारा गणेश वंदना के साथ प्रारंभ समारोह में सुविख्यात गायिका चुनौती नाहर ने महिला शक्ति को समर्पित गीत का संगान किया।

झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने किया कार्य बहिष्कार

झुंझुनूं, (निसं)। पूरे प्रदेश में एसआईआर का काम चल रहा है, लेकिन एसआईआर के कार्य में गति देने के लिए अब बीएलओ को टारगेट दिए जा रहे हैं, जो उनके लिए सिरदर् बन गया है। इसी के चलते शनिवार को झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने कार्य बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार शनिवार को झुंझुनूं विधानसभा में एसआईआर के काम को गति देने के लिए रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम कौशल्या विश्नोई ने बीएलओ की बैठक बुलाई थी, लेकिन सभी बीएलओ बैठक में जाने की बजाय कलेक्ट्रेट पर धरने पर बैठ गए। अचानक बीएलओ के धरने की सूचना पर तहसीलदार महेंद्र मुंड पहुंचे जिन्होंने समझझाई कर और फिर जिला परिषद के सभागार के बंद कमरे में बीएलओ के साथ पहले एसडीएम कौशल्या विश्नोई और बाद में एडीएम डॉ. अजय आर्य ने

वार्ता की। करीब चार घंटे की कशमकश के बाद बीएलओ वापिस लौटे। इस मामले में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया कि बीएलओ भी हमारी टीम का हिस्सा है। उनकी कुछ समस्याएं थी, जिनको सुन लिया गया है और समाधान कर रहे हैं। झुंझुनूं, मंडावा और उदयपुरवाटी विधानसभा में एसआईआर का काम धीमी गति से चल रहा है। जिसे जल्द ही तेज कर लिया जाएगा। यधर, मंडावा विधानसभा की रिटर्निंग अधिकारी मलसीसर एसडीएम



झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया।

सुमन देवी ने एक साथ ही 136 के करीब बीएलओ को धीमी गति में काम करने पर कार्रण बताओ नोटिस जारी किया है। जिससे बीएलओ में हड़कंप मच गया है। वहीं दूसरी तरफ झुंझुनूं विधानसभा के झुंझुनूं शहर के 10 बीएलओ पर लगाए गए सुपरवाइजर का अधिकारिक न्हाट्यरेप ग्रुप में शनिवार सुबह किया गया मैसेज भी वायरल हो रहा है, जिसमें यह सुपरवाइजर अपनी पीड़ा बताते हुए अंत में लिख रहा है कि ‘चार दिंसंबर तक मैं जिंदा रहेगा या नहीं, यह भी नहीं पता।’ बहरहाल, अब बीएलओ काम पर लौट आए हैं। जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

इससे पहले झुंझुनूं में शनिवार सुबह एसआईआर कार्यक्रम को ब्रेक के साथ-साथ उस समय झूटका लग गया। जब एसआईआर अभियान के दौरान बढ़ते काम के दबाव को लेकर झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों ने सुबह-सुबह ही फिल्ड में काम पर जाने की बजाय कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और धरना दिया। बीएलओ ने आरोप लगाया था कि बिना आवश्यक सहायक स्टाफ के उनसे दोहरी जिम्मेदारियों को पूरा करने का दबाव डाला जा रहा है, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। बीएलओ ने बताया कि पहले उनकी आईडी लेकर फार्म

ऑनलाइन कर दिए गए। अब अचानक प्रत्येक बीएलओ पर 150 फॉर्म कलेक्ट करने और उनमें से 100 फॉर्म ऑनलाइन अपलोड करने के लिए पाबन्द किया गया है। उनका कहना है कि फील्ड में जाकर फार्म भरवाना और साथ-साथ ऑनलाइन अपलोड करना अत्ये व्यक्ति से इस टारगेट को पूरा करना सम्भव नहीं है। बीएलओ प्रतिनिधियों ने कहा कि भारी कार्यभार के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की सहायक टीम, तकनीकी सहयोग या अतिरिक्त समय नहीं दिया जा रहा है, जिससे वे मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान

- एसआईआर के कार्य में गति देने के लिए अब बीएलओ को टारगेट दिए जा रहे हैं, जो उनके लिए सिरदर्द बन गया है**
- बीएलओ के साथ पहले एसडीएम कौशल्या विश्नोई और बाद में एडीएम डॉ. अजय आर्य ने वार्ता की, बाद में बीएलओ वापस लौटे**

बीएलओ ने कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें कार्यभार कम करने तथा सहायक स्टाफ उपलब्ध कराने की मांग शामिल है। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और उन्होंने बीएलओ से बातचीत कर स्थिति समझने की कोशिश की। उनकी समझाइश के बाद ऑंदोलनत बीएलओ और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच वार्ता का दौर प्रारंभ हुआ, लेकिन इस वार्ता से भी मंडिया को दूर शराब और बंद कमरे में वार्ता की गई। यधर, बीएलओ ने चेतावनी दी कि यदि कार्यभार संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं करने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी थी।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर तिरंगा यात्रा निकाली



हनुमानगढ़ में “जनजातीय गौरव दिवस” पर तिरंगा यात्रा निकाली।

हनुमानगढ़, (निसं)। केंद्र सरकार द्वारा 2021 में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को “जनजातीय गौरव दिवस” के रूप में घोषित किया गया था। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक, ब्रिटिश राज में 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में आदिवासी धार्मिक आंदोलन के नेतृत्वकर्ता भगवान बिरसा मुंडा को आदिवासी भगवान मानते हैं और “धरती आबा” कहते हैं। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम से पहले

अम्बेडकर चौक से कलेक्ट्रेट होते हुए सिविल लाइन स्थित सामुदायिक भवन तक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा से पहले अम्बेडकर चौक पर डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए।

जंक्शन के सिविल लाइन स्थित सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने आदिवासी महापुरुषों के योगदान को दर्शाती जिला स्तरीय प्रदर्शनी को अवलोकन किया। डूंगरपुर से राज्य स्तरीय कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हुए मुख्य कार्यक्रम का जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाइव प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय

कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रॉपर्टी कार्ड एवं भूखंडों के पट्टे वितरित किए गए। एनएमपीओ कॉलेज के सहायक आचार्य सिद्धार्थ राव ने बिरसा मुंडा के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव सहित जनप्रतिनिधि अमित चौधरी, बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रमोद डेवू, हनुमानगढ़ विधायक गणेश राज बंसल, विकास गुप्ता, देवेंद्र पारीक, आशीष पारीक, ओम सोनी, जिला परिषद सीईओ ओपी विश्नोई, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, सीडीईओ पन्नालाल कड़ेला, डीओआईटी संयुक्त निदेशक योगेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, स्कूली विद्यार्थी, एनसीसी एवं स्काउट कैडेट्स मौजूद रहे।

अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। मंगरोप क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम ने अवैध शराब बनाने वाली के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2400 लीटर वॉश नष्ट की और 110 लीटर हथकड़ शराब जब्त की।

जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पेट्रोलिंग ऑफिसर धोलायाम विश्नोई के नेतृत्व में की गई। टीम को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में गंदे पानी से अवैध रूप से शराब तैयार की जा रही है। कार्रवाई के दौरान मौके पर कई भट्टियां भी मिली, जिनसे शराब का उत्पादन किया जा रहा था। इन सभी भट्टियों को तोड़कर नष्ट किया गया।

बताया जा रहा है कि गंदे पानी से तैयार की जा रही यह शराब स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक थी। विभाग ने इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्त नजर रखते हुए



आबकारी विभाग की टीम ने 110 लीटर हथकड़ शराब जब्त की।

आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रखने का संकल्प जताया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए

नियमित रूप से छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्र में जनस्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

दुष्कर्म के दो आरोपियों को आजीवन कारावास

जालोर, (का.सं.)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के विशिष्ट न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने शुक्रवार को नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित के अनुसार पीड़िता को

माता ने एक पुलिस थाने में रिपोर्ट पेश कर बताया कि 9 अप्रैल 2025 को सुबह नाबालिग पुत्री घर से स्कूल जा रही थी। तब मैन रोड पर एक ब्रेजा कार में सवार होकर आये दाउद खां व रफीक खां दोनों ने उसकी नाबालिग पुत्री को जबरन शादी करने की नियत

से पकड़कर गाड़ी में डालकर भगाकर ले गये। लेकिन रास्ते में गाड़ी रोकी। उस दौरान उसकी नाबालिग पुत्री मौका देखकर गाड़ी से उतर अपने मामा के घर चली गई। उसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दी।

पीड़िता ने घर आकर बताया कि वह घर से स्कूल जा रही थी, तब दाउद खा व रफीक खान उसे भगाकर ले गये तथा दाउद खान ने उसके साथ गलत काम किया। रफीक खान गाड़ी चल रहा था। यदि वह मौके देखकर नहीं भागती तो ये लोग उसे आगे लेकर चले जाते।

उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला

बीकानेर की मंडियों में मूंगफली की बंपर खरीद, 10 दिन में 40 लाख बोरी उठाव

बीकानेर, (निसं)। गुजरात में इस साल मूंगफली की फसल में बारिश व कटाई में देरी ने बीकानेर के कृषि बाजार को अचानक ‘हॉटस्पॉट’ बना दिया है। पिछले दस-पंद्रह दिनों में गुजरात से आए 30-40 बड़े ब्रोकरों ने बीकानेर की दो प्रमुख मंडियों श्रीगंगानगर रोड व पूगल रोड से करीब 25 से 40 लाख बोरी मूंगफली का रिकॉर्ड उठाव किया है। अचानक बढ़ी मांग से बीकानेर किसानों को बाजार में करीब 500-700 रुपए क्विंटल की सीधी बढ़ोतरी का लाभ मिला है।

गुजरात में दीपावली के बाद मूंगफली की बंपर आवक हर साल तय रहती है, लेकिन इस बार हालात पूरी तरह उलट गए। नवंबर के पहले पखवाड़े में गुजरात के कई मूंगफली उत्पादक जिलों में दो-दो इंच तक बारिश हो गई। खेतों में खड़ी या कट चुकी फसल की नमी बढ़ने और छिलके काले पड़ने से वहां के व्यापारियों के लिए समय पर एक्सपोर्ट का दबाव बढ़ गया। गुजरात की मंडियों में आवक शुरू होने में अभी कम से कम 10-15 दिन और लगने का अनुमान है।

ऐसे में एक्सपोर्ट शेड्यूल न विगड़े, इसलिए गुजरात के ब्रोकरों ने बीकानेर की मंडियों की तरफ रुख कर लिया। बीकानेर देश की प्रमुख

- पिछले दस-पंद्रह दिनों में गुजरात से आए 30-40 बड़े ब्रोकरों ने बीकानेर की दो प्रमुख मंडियों से करीब 25 से 40 लाख बोरी मूंगफली का उठाव किया**

- अचानक बढ़ी मांग से बीकानेर के किसानों को बाजार में करीब 500-700 रुपए क्विंटल की सीधी बढ़ोतरी का लाभ मिला**

मूंगफली बेल्ट में से एक है। यहां का दाना आकार, तेल प्रतिशत और नमी अनुपात के कारण एक्सपोर्ट क्वालिटी मानकों पर खरा उतरता है। यही कारण है कि महज 10 दिनों में गुजरात से आए ब्रोकरों द्वारा 25 से 40 लाख बोरी की रिकॉर्ड खरीद दर्ज की गई। इसी मांग ने बाजार को तेजी दी है।

पिछले सप्ताह तक देहां मूंगफली के भाव 500-700 रुपए प्रति क्विंटल नीचे चल रहे थे, वहीं शुक्रवार को श्रीगंगानगर रोड मंडी में 1.25 लाख बोरी और पूगल रोड मंडी में 40-60 हजार बोरी मूंगफली की आवक दर्ज हुई। बीकानेर जिले में इस वर्ष 2.90 लाख हेक्टेयर में मूंगफली की बिजाई हुई और कृषि विभाग के अनुमान अनुसार उत्पादन 8.70 लाख मेट्रिक टन तक पहुंच सकता है। बड़ी हुई खरीद शक्ति से अब किसानों में तेजी से विक्रय करने का उत्साह देखा जा रहा है। दूसरी ओर, गुजरात में अपेक्षित 55 लाख

बोरी के बजाय अब 40 लाख बोरी की संभावित आवक मानी जा रही है। यानी लगभग 25 प्रतिशत तक फसल अनुमान घट गया है। इसी अंतर ने बीकानेर की मंडियों को देशभर के ब्रोकरों के लिए ‘रीलायबल सोर्स’ बना दिया।

दी बीकानेर कूल एवं अनाज ट्रेडर्स संस्था के अध्यक्ष रामदयाल सारण ने बताया कि बीकानेर की मूंगफली गुणवत्ता, जलवायु और तेजी से उपलब्धता के कारण इस बार देशभर के खरीदारों के लिए मजबूरी नहीं, बल्कि प्राथमिक पसंद बन गई है। गुजरात में फसल देरी से जहां ब्रोकरों को नया विकल्प मिला, वहीं बीकानेर किसानों को भी वर्षों बाद अचानक उभरी बाजार मांग से बड़ा आर्थिक लाभ मिला है। आने वाले 15 दिन में गुजरात में आवक बढ़ने की उम्मीद के बीच फिलहाल बीकानेर देश की मूंगफली मंडियों का केंद्र बनाई हुई है।

‘जनजाति समुदाय ने जल, जंगल व जमीन के संतुलन से जीना सिखाया’

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंगरपुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित किया

इंगरपुर/जयपुर, 15 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति समुदाय ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति, साहस और सत्य के मार्ग को जीवंत रखा है। राजस्थान के हृदय में सबसे जीवंत और प्रखर धारा के रूप में हमारे आदिवासी भाई-बहन हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा है, लेकिन उससे भी अधिक गौरवपूर्ण है।

इन्होंने जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर विश्व को जीना

- भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों और छात्र-छात्राओं को 204 करोड़ रूपए की राशि डीबीटी के द्वारा ट्रॉसंपन्न की।**

सिखाया है। त्योहारों, गीतों और परम्पराओं से राजस्थान की पहचान को समृद्ध बनाया है।

उन्होंने कहा कि जनजातियों के नृत्य में ताल ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों की कहानियाँ समाहित हैं। इसी प्रकार, त्योहारों में रंग ही नहीं, आदिवासी धारा की चमक भी बसती है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही, उन्हें दुनिया के सामने गर्व से पेश करेगी। राज्य सरकार जनजाति कल्याण के लिए संकल्पित है।

शर्मा शनिवार को इंगरपुर के

लालू की पुत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आचार्य की यह पोस्ट पहले से ही उथल-पुथल श्रेल रहे परिवार और पार्टी में और अधिक हलचल पैदा कर देगी। राजद पहले ही लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकाल चुकी है।

तेज प्रताप ने नई पार्टी, “जनशक्ति जनता दल” बनाई थी, जिसने चुनाव अकेले लड़ा और राधोपुर विधानसभा सीट से तेजस्वी के खिलाफ भी उम्मीदवार उतारा। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, यहाँ तक कि महुआ सीट भी नहीं, जहाँ से तेज प्रताप ने चुनाव लड़ा था। आचार्य, जो कथित रूप से तेज प्रताप के निष्कासन से नाखुश थीं, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भी कई बार पार्टी के प्रति अपनी नाराजगी जताती रही थीं, हालांकि कई बार उन्होंने मेल-मिलाप वाले संदेश भी पोस्ट किए।

सितंबर के आसपास, आचार्य ने सभी राजनीतिक नेताओं और अपने परिवारजनों को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया था। इसके बाद उन्होंने एक पोस्ट किया था कि उनके बारे में गलत बातें फैलाई जा रही हैं।

उन्होंने लिखा था: “मैं उन सभी को खुली चुनौती देती हूँ, जिनके मन में गलत विचार हैं और जो ऐसे लोगों को बढ़ावा देते हैं। अगर कोई यह साबित कर दे कि मैंने कभी भी अपने लिए या किसी और के लिए किसी से कोई

अंदर ही अंदर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
मल्लिकार्जुन खड्गे के साथ बैठक की और एनडीए की भारी जीत के लिए वोट चोरी को जिम्मेदार ठहराया।

हार के बाद उन्होंने आज लालू यादव, तेजस्वी, सैनी और तमाम लोगों को फोन करके उन्हें समझाने की कोशिश की कि वोट चोरी ही वह मुद्दा है, जिसे दुनिया के सामने उठाना चाहिए। लेकिन लगता है कि आत्मचिंतन, विम्लेषण, जिम्मेदारी तय करना या जवाबदेही, राहुल गांधी के शब्दकोष का हिस्सा नहीं है।

पार्टी के अंदर, पार्टी को चलाने के तरीके को लेकर नाराजगी गहरी होती जा रही है। केस राहुल ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के सक्रिय व अनुभवी नेताओं को किनारे कर दिया और उनकी जगह झोला ढोने वाले पुरुषों, महिलाओं, पूर्व आई.ए.एस. अधिकारियों और कॉर्पोरेट पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी चलाने की जिम्मेदारी दे दी। इनमें से ज़्यादातर प्रयोग नाकाम रहे और पार्टी लगातार केन्द्र और राज्यों, दोनों जगह चुनाव हारती गई।

हार-जीत राजनीति का हिस्सा हैं, लेकिन भाजपा के हाथों पूर्ण विनाश नहीं, जो इस बार बिहार में हुआ।

चुनाव से ठीक पहले राहुल की हार्द टीम ने ओ.बी.सी. (जिस पर राहुल सबसे अधिक जोर देते रहे हैं) से फोकस हटाकर ई.बी.सी. (इकोनॉमिकली बैकवर्ड क्लास) पर शिफ्ट कर दिया, जिससे पार्टी का संदेश कमजोर हो गया।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को इंगरपुर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

भोगीलाल राजकीय महाविद्यालय में भगवानबिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा दिया। सामाजिक

असमानता और अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों ने उनके अंतर्मन को विद्रोह से भर दिया।

केवल 15 वर्ष की आयु में उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और 25 वर्ष की आयु में ‘उलगुलान आंदोलन’ का नेतृत्व कर पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई।

शर्मा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के 53 हजार 766 लाभार्थियों को फामं

पौड, डिग्री, पाइपलाइन, तारबंदी, कृषि यंत्र, गोवर्धन उर्वरक योजना एवं खेती के विभिन्न कार्यों के लिए और कृषि की पढ़ाई कर रही छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 200 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी की। उन्होंने 12 हजार से अधिक जनजाति छात्र-छात्राओं को पोशाक एवं स्टेशनरी के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि भी हस्तान्तरित की।

चांदनी चौक मस्जिद से तब्लीगी जमात के सदस्यों को हिरासत में लिया

- इसी मस्जिद में लाल किले का आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ठहरा था**

- सूत्रों के अनुसार, जमात के सदस्यों से डॉ. उमर की मौजदगी के कारण पूछताछ की गई तथा पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मस्जिद प्रबंधन समिति से आंगतुकों का रिकॉर्ड देने के लिये कहा गया है।**

शामिल थे। इस कार्रवाई के दौरान, फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के तीन डॉक्टरों को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया है।

पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि हिरासत में लिए गए डॉक्टरों में से दो के नाम मोहम्मद और मुस्तकीम हैं, जिन्हें नृंह इलाके से हिरासत में लिया गया था।

कश्मीर के नौगाम थाने में विस्फोट में 9 मरे, 32 घायल

फरीदाबाद में बरामद विस्फोटक की फोरेंसिक जांच के लिये नमूना लेते समय आकस्मिक विस्फोट हुआ

- जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने कहा कि अत्यंत सावधानी के साथ काम करते समय दुर्भाग्यवश आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।**

विशाल प्रकृति के कारण यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों, यानी कल और पर्सों फोरेंसिक टीम द्वारा चलायी जा रही थी। उन्होंने कहा, बरामदगी और नमूना लेने की प्रक्रिया की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण एफएसएल टीम द्वारा अत्यंत सावधानी के साथ काम किया जा रहा था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इस दौरान कल रात लगभग 11.20 बजे एक आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।

उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की जान चली गई है। मारे गए लोगों में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के एक कर्मी, एफएसएल के तीन कर्मी, जम्मू-

पठानकोट का डॉक्टर दिल्ली

हमले के आतंकियों से सम्पर्क में था

पठानकोट, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के तार पठानकोट से भी जुड़ गए हैं। जानकारी के अनुसार, पठानकोट के एक अस्पताल में एनआईए की टीम की ओर से बीती रात इस मामले में जुड़े एक मुस्लिम डॉक्टर को राउंड अप किया गया है।

सूत्रों से पता चला है कि उक्त डॉक्टर की बात दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले

- डॉ. रईस अहमद भट को पुलिस ने जांच के लिये राउण्ड अप किया।**

के आरोपियों के साथ होती थी। सूत्रों के अनुसार, एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह हटिलों तथा थाना प्रभारी मामून प्रीति ने, घटना की पुष्टि के लिए बार-बार फोन करने के बावजूद, फोन नहीं उठाया। गिरफ्तार किए गए डॉक्टर की पहचान रईस अहमद भट निवासी अमृतनाग जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। अहमद भट्ट 4 साल से व्हाइट मेडिकल कॉलेज पठानकोट में एसोसिएट प्रोफेसर सर्जरी डिपार्टमेंट का हेड था।

एक महीने तक चलने वाली इस गणना प्रक्रिया में उन मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जो 27 अक्टूबर 2025 तक पात्र हैं। इस प्रक्रिया में मतदाताओं के लिए विशेष गणना फ़ॉर्म

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 15 नवम्बर। बिहार

चुनाव के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन– एसआईआर) के आधार पर पूरा हो जाने के बाद, चुनाव आयोग ने अब एसआईआर का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। यह अभियान राजस्थान सहित, 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है और 4 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

दिल्ली बम ब्लास्ट में पुलिस को एक दर्जन डॉक्टरों की तलाश

नई दिल्ली, 15 नवंबर। दिल्ली में

लाल किले के पास हाल ही में हुए बम धमाके के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ा सुराग मिला है। गिरफ्तार संदिग्ध डॉक्टरों के साथ-साथ डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड, यानी सीडीआर से एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसियों ने डॉक्टरों की एक लंबी लिस्ट तैयार की है। इसमें अल फलाह यूनिवर्सिटी से पढ़े और वहां काम करने वाले डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है। इनमें से कई डॉक्टरों के फोन उमर के बम धमाके के बाद से बंद हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां ट्रेस कर रही हैं। सूत्र बताते हैं कि करीब एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों की तलाश की जा रही है, जो जैश से जुड़े इन संदिग्धों के संपर्क में थे।

दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए ब्लास्ट की जांच अब हरियाणा के नृंह

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
एविंग्ट सोजे एसपी शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि पुलिस उगी की गई पश्ति की बरामदगी कर लेती है तो वह बैक लेने के लिए अधिकृत है। उपभोक्ता राकेश तोतुका की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि 11 फरवरी, 2022 की शाम 6.39 बजे से 12 फरवरी, 2022 को 1.30 एजे के बीच 14 बार में याचिकाकर्ता के बैंक खाते से 58.93 लाख रुपए उगी के जरिए निकले थे। बैंक ने 9 बार ओटीपी भेजने के आधार पर 15.60 लाख रुपए ही लौटाने की बात कही। इसे चुनौती देते हुए पीडित की ओर से कहा गया कि आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, बैंक को उगी गई पूरी राशि पीडित को अदा करनी चाहिए।

बिहार चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने बारह राज्यों में “सर” प्रक्रिया आरंभ कर दी आज से

इन बारह राज्यों में राजस्थान भी शामिल है तथा चुनाव आयोग 4 दिसम्बर से पहले यह प्रक्रिया पूरी करने का इरादा रखता है

की छपाई और वितरण भी शामिल है। राजस्थान में कुल 5,48,84,479 मतदाता हैं, जिनके लिए एसआईआर जारी किया जाएगा। राज्य में कुल 1,01,333 बीएलओ (बीएलओ) हैं, जबकि 5,46,56,215 गणना फ़ॉर्म छोपे जा चुके हैं और 5,34,11,991 फ़ॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।

राजस्थान की तरह, जिन अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया 4 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगी, वे हैं: पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, मध्य प्रदेश, लक्षद्वीप, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़ और अंडमान

एवं निकोबार द्वीप समूह।

इस चरण में शामिल 12 राज्यों में कुल 50,99,72,687 मतदाताओं को कवर किया जाएगा, जबकि 48,67,37,064 मतदाताओं को उनके गणना फ़ॉर्म वितरित किए जाएंगे।

‘विवाहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आगे जारी नहीं रखा जाए। अदालत ने कहा कि ऐसा मुकदमा पिता-पुत्र के पवित्र रिस्ते पर कलंक है और समाज के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

किसी भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
राजद का सबसे अधिक वोट शेयर यह दिखाता है कि कई सीटों पर उसने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन जीत की रेखा पार नहीं कर सका। यानी राजद को मिले वोटों से उसका वोट शेयर तो बढ़ गया, लेकिन ये वोट सीटों में बदल नहीं पाए। दूसरे शब्दों में, राजद ने अपनी ताकत का अधिक आकलन कर लिया।

2010 के बाद से (जब उसने 22 सीटें जीती थीं) अपने सबसे खराब प्रदर्शन से जुझ रहे राजद के सामने सबसे बड़ी चुनौती है: लालू यादव द्वारा बनाए गए मुस्लिम-यादव (एम.वाय.) वोट बैंक में तीसरा सामाजिक समूह जोड़ना। लेकिन इस दिशा में काम करने के बजाय, यह पार्टी परिवार के भीतर उत्तराधिकार की लड़ाई में उलझा हुई है। तेजस्वी के बड़े भाई तेज प्रताप पहले ही बागी हो चुके हैं और बहन रोहिणी आचार्य अब राजनीति छोड़कर परिवार से दूर हो चुकी हैं। ऐसी अंदरूनी कलह पार्टी को और कमजोर कर सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में, लालू प्रसाद के पुराने सहयोगी या तो गुजर गए हैं या हाशिये पर चले गए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि राजद अपनी वैचारिक दिशा से भटक गई है और बिना पतवार के बह रही है।

भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
महीनों से भाजपा के राज्य नेतृत्व की खुलकर आलोचना कर रहे थे। उन्होंने बार-बार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को निशाना बनाया, जद (यू) नेता अनंत सिंह के प्रभाव पर सवाल उठाए और सरकार के बिजली क्षेत्र से जुड़े समझौतों पर भी चिंता जताई।

इस महीने के शुरूआत में, सिंह ने एक प्रस्तावित बिजली परियोजना से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार से सम्बंधित कई दस्तावेज ऑनलाइन साझा किए थे।

उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाया था कि वह चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू कराने में नाकाम रहा है। सिंह ने कहा था, चुनाव आयोग को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना चाहिए। यह चुनाव आयोग और जिला प्रशासन, दोनों की नाकामी है। चुनाव के

डॉ. शाहीन व डॉ. मुजम्मिल देश छोड़कर भागाने की फिराक में थे

फरीदाबाद, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली अल फलाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत डॉ. शाहीन और डॉ मुजम्मिल की योजना देश छोड़कर भागने की थी। जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे सिद्ध हो रहा है कि डॉ. शाहीन ने भारत छोड़ अरब जाने की तैयारी पूरी कर ली थी।

इस संबंध में जानकारी मिली है कि बीज थाना क्षेत्र में पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए आवेदन आया था। हालांकि, वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के पहले ही आतंकी डॉ. मुजम्मिल और डॉ. शाहीन पुलिस के हथ्थे चढ़ गए।

बता दें कि जैश की महिला विंग की प्रमुख के रूप में सामने आई और अब गिरफ्तार हो चुकी सफेदपोश आतंकी डॉ. शाहीन खाड़ी घाट भागने की फिराक में थी। मगर पासपोर्ट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया में कुछ देरी हो गई। इस दौरान डॉ. मुजम्मिल व डॉ. शाहीन के गिरफ्तारी हो गई और प्लान धरा का धरा रह गया।

- दिल्ली के आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली शाहीन के पासपोर्ट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया।**

पुलिस सूत्रों के अनुसार अक्टूबर माह में अल फलाह यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. शाहीन सईद ने पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन किया था। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होनी थी। अल फलाह यूनिवर्सिटी बीज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आती है। डॉ. शाहीन ने आवेदन में पता यूनिवर्सिटी का ही दिया था। इसलिए बीज थाना पुलिस यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के टावर संख्या 15 के फ्लैट नंबर 32 में पहुंची थी।

डॉ. आदिल का भाई विस्फोटक उपकरण के लिये कच्चा माल इकट्ठा करता था

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी के लाल किला विस्फोट मामले की जांच में डा. आदिल अहमद के भाई मुजफ्फर का नाम भी सामने आया है, जो दुबई से विस्फोटक उपकरण के लिए कच्चा माल इकट्ठा करने में सक्रिय था।

- सुरक्षा एजेंसी के अनुसार मुजफ्फर पांच साल से सक्रिय था तथा दुबई से काम करता था।**

घटना की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसी के सूत्रों ने कहा, “वह पांच साल से सक्रिय था। हमारी जांच से पता चला है कि मुजफ्फर दुबई से काम कर रहा था।” मुजफ्फर पर विस्फोटक उपकरण के लिए कच्चा माल इकट्ठा करने का आरोप है। सूत्र ने कहा, “वह (मुजफ्फर) आतंकवादियों के लिए सेंतु का काम कर रहा था। पाकिस्तान में आतंकवादियों से संपर्क कर रहा था और भारत में अपने गुर्गों को निर्देश दे रहा था।” डा. शाहीन विदेश यात्रा करना चाहती थी। सूत्रों ने बताया कि डा. शाहीन विदेश यात्रा की योजना बना रही थीं। वह गिरफ्तार डॉक्टरों में से एक है। वह जैश-ए-मुहम्मद के आकाओं के सीधे संपर्क में थीं। डा. शाहीन कथित तौर पर युवा डॉक्टरों के कट्टरपंथी बना रही थीं। जांच अधिकारी ने कहा, वह धर्मांतरण का रिकेट भी चला रही थी।